QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारत की उपलब्धियाँ

स्रोत: द हिंदू

भारत की उच्च शिक्षा और अनुसंधान परिदृश्य ने विषय के आधार पर **QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग** में महत्त्वपूर्ण प्रगति दिखाई है, जो वैश्विक शैक्षणिक समुदाय में देश की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाता है।

- **IIM-अहमदाबाद, IIM-बैंगलोर और IIM-कलकत्ता को व्यवसाय एवं प्रबंधन के अध्ययन के लिये विश्व स्तर पर शीर्ष 50 संस्थानों में स्थान प्राप्त हुआ है।**
- **जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय** ने विकासात्मक अध्ययन के लिये विश्व स्तर पर 20वाँ स्थान प्राप्त किया, जिससे यह **भारत में सर्वोच्च रैंक वाला विश्वविद्यालय** बन गया।
- चेन्नई में सवीता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंसेज़ ने दंत चिकित्सा अध्ययन के लिये विश्व स्तर पर 24वाँ स्थान प्राप्त किया।
- **भारत विश्व के सबसे तेज़ी से विस्तार करने वाले अनुसंधान केंद्रों में से एक के रूप में उभरा है,** जिसमें 2017 से 2022 तक अनुसंधान के क्षेत्र में 54% की वृद्धि देखी गई है।
    - भारत वैश्विक स्तर पर **अनुसंधान के क्षेत्र में चौथे स्थान पर है**, यानि चीन, अमेरिका और ब्रिटेन से पीछे है, लेकिन अनुसंधान प्रभाव के मामले में 9वें स्थान पर है।
- **संपूर्ण एशिया संदर्भ में भारत विशिष्ट विश्वविद्यालयों की संख्या के मामले में दूसरे स्थान पर है** और रैंक की गई प्रविष्टियों की कुल संख्या में चौथा स्थान रखता है।
- भारत को प्रमुख वैश्विक पत्रिकाओं में उद्धरण हासिल करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, 2017 और 2021 के बीच इसके केवल 15% शोध को शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं में उद्धृत किया गया है।

और पढ़ें: **QS वर्ल्ड रैंकिंग 2024**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-achievements-in-qs-world-university-rankings